जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 08 फरवरी 2019

फैकल्टी आफ फाइन आटर्स के आंदोलनरत छात्रों पर जामिया का आधिकारिक बयान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने फैकल्टी आफ फाइन आटर्स की आंदोलनरत छात्राओं द्वारा तीन छात्रों के खिलाफ की गई गंभीर शिकायत को देखते हुए उन छात्रों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। ये छात्राएं कुछ अन्य छात्रों के साथ 07 फरवरी से एक शिकायत को लेकर आंदोलनरत हैं। जामिया की अनुशासन समिति की रिपोर्ट आने तक इन तीन छात्रों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और दो सप्ताह के लिए परिसर में प्रवेश और कक्षा में उपस्थित होने पर रोक लगा दी है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने साथ ही अप्लाइड आटर््स के विभाग प्रमुख प्रो हफीज़ अहमद को अवकाश पर भेज दिया है। फाइन आटर््स की डीन प्रो नुज़हत काज़मी को इस विभाग का कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया गया है।

जामिया प्रशासन आंदोलनरत छात्रों को पहले ही आश्वस्त कर चुका है कि उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा। अप्लाइड आर्ट्स में अध्यापकों की कमी को दूर करने के लिए अतिथि अध्यापकों की चयन समिति की जल्द ही बैठक होगी। इस विभाग सहित फाइन आटर््स के अन्य विभागों की कक्षाएं सामान्य रूप से चल रही हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने आंदोलनकारी छात्रों के साथ कई बार बात चीत की और उनकी शिकायतों को सुनने के बाद आश्वासन दिया कि इन शिकायतों को दूर करने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

जामिया प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के बावजूद कुछ छात्रों ने वाइस चांसलर आफिस का कल और आज घेराव किया जिससे वीसी कार्यालय और समीप मौजूद प्रशासनिक कार्यालय के काम काज में बाधा पड़ी। छात्रों को विश्वविद्यालय के गेट न. 7 के सामने मिर्ज़ा गालिब की मूर्ति के पास विरोध प्रकट करने की अनुमति दी गई है।

आंदोलनकारी छात्र ऐसे वर्गों द्वारा प्रभावित किए जा रहे हैं जिनका की जामिया से कोई लेना देना नहीं है। इनका ऐसे निहित स्वार्थ वाले तत्व समर्थन कर रहे हैं जो विश्वविद्यालय के शांतिपूर्ण अकादमिक वातारण को बिगाड़ना चाहते हैं।

जामिया प्रशासन ने फाइन आटर्स के सभी छात्रों से अपील की है कि वे अपनी कक्षाओं में जाकर पढ़ाई करें और दूसरों के उकसावे में नहीं आएं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक